**बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय बचत पत्रों में निवेश**

@2339. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 18 अक्तूबर, 1988 के "जनसत्ता" में "बिना गबन किये 36 लाख रुपये खा गये" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में नियमों तथा विनियमों और अन्य कानूनों को ताक पर रख कर कर्मचारियों के भविष्य निधि खातों की सहायता से विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार वित्तीय अधिकारियों और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में इस प्रकार का घपला किये जाने के क्या कारण हैं ;

(ग) इस प्रकार की सलाह देने वाले व्यक्तियों के नाम क्या हैं और इनके विरुद्ध अब तक क्या कार्यवाही की गयी है तथा ऐसी अनियमिताओं को दूर करने के लिए क्या कार्यवाही की गयी है; और

(घ) क्या सरकार इन राष्ट्रीय बचत पत्रों के खरीदने के बतौर से मिली कमीशन की राशि में से कर्मचारियों के भविष्य निधि खातों की राशियों पर मिलने वाले ब्याज के बराबर राशि का भुगतान कराने का विचार रखती है और यदि हां, तो कब और कितने प्रतिशत और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल. पी. साही) :** (क) जी, हां ।

(ख) और (ग) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की संविधियों की 46वीं संविधि के अनुसार, विश्वविद्यालय समय-समय पर ऐसी सरकारी प्रति-भूतियों में जो कार्यकारी परिषद निर्धारित करें, भविष्य निधि का इतना भाग लगा सकता है, जो उचित समझा जाए । परिषद प्रतिभूतियों के स्वरूप को बदल सकती है । विश्वविद्यालय ने यह कहा है कि उपर्युक्त प्रावधानों के अनुसार कार्यवाही की गयी है । विश्वविद्यालय ने वित्तीय वर्ष 1985-86 से 1987-88 के दौरान राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्रों में विश्वविद्यालय कर्मचारियों की भविष्य निधि की जमा राशियों में से 4,46,24,200 रुपये का निवेश किया । विश्वविद्यालय ने इस बात से इन्कार किया है कि उन्हें उपर्युक्त राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्रों में निवेश करने के परिणामस्वरूप कोई कमीशन प्राप्त हुआ । पोस्ट मास्टर, उप डाकखाना, मालवीय नगर, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय ने भी इसे प्रमाणित किया है ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

**Sewerage facilities at Beithara Road .Railway Station.**

2340. SHRI ISH DUTT YADAV: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that due to lack of drainage and sewerage facilities at the Beithara Road Railway Station the water logging is damaging the quarters of the railway employees/rest house, residences creating health problems; and

(b) if so, what steps have been taken by Government to provide drainage and sewerage system at the Beithara Road Railway Station?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MAHABIR PRASAD): (a) $N_0$ Sir.

(b) Does not arise.

**Local Conveyance to Executive and Non-Executive Staff in ITDC**

2341. SHRI CHATURANAN MISHRA: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to refer to answer to Unstarred Question 2695 reply given in Rajya Sabha on 2nd December, 1987 and state what is the break-up of the amount of money paid upto June, 1988 as fixed and local conveyance to each Executive and Non-executive, indicating the scale of

@पूर्वतः अतारांकित प्रश्न 826, 17 नवम्बर, 1988 से स्थानान्तरित ।